मेरा साँवरिया गिरधारी | By Raj Guru

मेरा सांवरिया गिरधारी चितचोर तू है बनवारी
थारे श्रृंगार के आगे है फीकी दुनिया सारी
जद नैन कटक मेरी और झटक तू खोले से श्याम
तेरा जादू बाबा म्हारे सर चढ़ बोले से

मुकुट के ऊपर लहरें पखिया या मोर की
केशर तिलक से झलके किरणा या भोर की
कुण्डल काना में झूमे लट घुंघराली लूमे
हद तो तब हो जद मुस्कावे तो हौले से श्याम
तेरा जादू बाबा म्हारे सर चढ़ बोले से

गल मोतियन की माला कुंठी रत्ना वाली
फूला बीच तू बैठ्यो है फेटो गुलनारी
है घेर घुमेर बागो जां में स्वर्ण जड़ित है धागो
थाने निरख निरख के मनडॉ म्हारो डोले से श्याम
तेरा जादू बाबा म्हारे सर चढ़ बोले से

खाटू वाले श्याम तेरी साँची सरकार है
तेरे दर पे हो न सके भक्तों की हार है
निर्मल को श्याम रूखालो अंधियारे में उजाले
तू भाव तराजू कदे ना बाबा तोले से श्याम
तेरा जादू बाबा म्हारे सर चढ़ बोले से

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%81%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%97%e0%a4%bf%e0%a4%b0%e0%a4%a7%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-raj-guru/